



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 439]
No. 439]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 13, 2003/वैशाख 23, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 13, 2003/VAISAKHA 23, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मई, 2003

सं. 33/2003-सीमा शुल्क (एन. टी.)

का. आ. 542(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :-

(1) इन नियमों को सीमा-शुल्क टैरिफ (अन्तःकालीन इस्लामिक अफगानिस्तान राज्य और भारत गणराज्य के बीच अधिमानी व्यापार करार के अधीन मालों के उद्भव का अवधारण) नियम, 2003 कहा जाए ।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. लागू होना:- ये नियम सविदाकारी पार्टियों में से किसी के भी क्षेत्र से पारेषित मालों को लागू होंगे ।

3. उद्भव का अवधारण:- किसी भी उत्पाद को तब तक किसी देश का उत्पाद या विनिर्माण नहीं समझा जाएगा जब तक कि समुचित प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में ऐसे उत्पादों के संबंध में इन नियमों में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन नहीं हो जाता है ।

4. आयात के समय दावा :- उत्पाद का आयातकर्ता आयात के समय,--

(क) यह दावा करेगा कि उत्पाद उस सविदाकारी देश का उत्पाद या विनिर्माण है जिससे उन्हें आयात किया गया है और ऐसे उत्पाद करार के अधीन अधिमानी रियायत के लिए पात्र हैं; और

(ख) इन नियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट साक्ष्य पेश करेगा ।

स्पष्टीकरण:- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए किसी उत्पाद के संबंध में "अधिमानी उपचार" से अर्थ भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 76/2003-सीमा शुल्क, तारीख 13 मई, 2003 के अधीन दी गई छूट अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत अधिमानी रियायतें आती हैं ।

5. उद्भव उत्पाद:- करार के अन्तर्गत आने वाले उत्पाद, जिन्हें किसी सविदाकारी पक्ष किसी दूसरे सविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र से पैरा 9 के अन्तर्गत सीधे परोषित किया गया हो, अधिमानी रियायतों के लिए पात्र होंगे,

यदि वे निम्नलिखित शर्तों में से किसी के अधीन उद्भव अपेक्षा के अनुरूप हैं, अर्थात्:-

(क) ऐसे उत्पाद जिनका नियम 6 में यथापरिभाषित निर्यातकर्ता सविदाकारी पक्ष के क्षेत्र में पूर्णतः उत्पादन किया गया हो या अभिप्राप्त किया गया हो; या

(ख) ऐसे उत्पाद जिनका निर्यातकर्ता संविदाकारी पक्ष के क्षेत्र में पूर्णतः उत्पादन न किया गया हो या अभिप्राप्त न किया गया हो, बशर्ते कि उक्त उत्पाद नियम 7 के साथ पठित नियम 7 या नियम 8 के अधीन पात्र हों।

6. पूर्णतया उत्पादित या अभिप्राप्त :-

पैरा 5(क) के अर्थान्तर्गत, निम्नलिखित को निर्यातकर्ता संविदाकारी पक्ष के क्षेत्र में पूर्णतया उत्पादित या अभिप्राप्त समझा जाएगा; अर्थात्

- (क) उनकी मिट्टी, जल या समुद्रतल से निकाले गए कच्चे या खनिज उत्पाद; जिन में खनिज, ईंधन, लुब्रीकेंट और संबंधित सामग्री और खनिज अथवा कच्ची धातुएँ शामिल हैं;
- (ख) वहाँ पर उगाई गई फसल से प्राप्त वनस्पति उत्पाद जिसमें कृषि और वन उत्पाद शामिल हैं;
- (ग) पशु जो वहाँ पैदा हुआ हो और पाला गया हो;
- (घ) ऊपर खंड (ग) में विनिर्दिष्ट पशुओं से अभिप्राप्त उत्पाद;
- (ङ) वहाँ किए गए शिकार या मत्स्य से अभिप्राप्त उत्पाद;
- (च) समुद्री मत्स्य के उत्पाद और उसके जलयानों द्वारा खुले समुद्र से लिए गए अन्य समुद्री उत्पाद;
- (छ) ऊपर खंड (च) में निर्दिष्ट उत्पादों से अनन्य रूप से उसके कारखाना पोतों के फलक पर प्रसंस्कृत और / या बनाए गए उत्पाद;
- (ज) प्रयोग में लाई गई ऐसी वस्तुएँ जिनका संग्रहण किया गया हो और जो केवल कच्ची सामग्री के प्रत्युत्थरण के लिए उपयुक्त हों;
- (झ) वहाँ की गई विनिर्माण सक्रियाओं के कारण अभिप्राप्त अपशिष्ट और स्कैप;
- (ञ) उत्पाद जो ऐसे सीबेड से या सीबेड के नीचे से प्राप्त किए गए हैं जो उसके राज्यक्षेत्रीय-समुद्र से बाहर स्थित है परन्तु यह उसके अनन्य विदोहन अधिकारों में हो;
- (ट) ऊपर खंड (क) से (ज) में निर्दिष्ट उत्पादों से अनन्य रूप से उत्पादित माल।

स्पष्टीकरण 1. जलयान 'यह ऐसे मत्स्य जलयानों के प्रति निदेश है जो वाणिज्यिक मत्स्य में लगे हों और संविदाकारी पक्ष के देश में रजिस्ट्रीकृत हों और संविदाकारी पक्ष के किसी नागरिक या नागरिकों या भागीदारी, निगम या संगम जो ऐसे देश में सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत हो, द्वारा चलाया जाता हो, और जिसके 60 प्रतिशत की साधारण पूंजी ऐसे संविदाकारी पक्ष के किसी नागरिक या नागरिकों और/या सरकार की हो या 75 प्रतिशत की साधारण पूंजी संविदाकारी पक्षों के नागरिक और/या सरकार की हों। यद्यपि ऐसे द्विपक्षीय करारों के अधीन वाणिज्यिक मत्स्य में लगे जलयानों से, जिनमें ऐसे जलयानों को चार्टर करने, पट्टे पर देने और/या संविदाकारी पक्षों के बीच कैच को शेयर करना भी अधिमानी व्यवहार का पात्र होगा।

स्पष्टीकरण II. सरकारी एजेंसियों द्वारा जलयानों अथवा कारखाना पोतों के संबंध में, संविदाकारी पक्ष के झंडे को फहराने की अपेक्षा लागू नहीं होती।

स्पष्टीकरण III. इस करार के प्रयोजन के लिए कारखाना पोत पद से कोई ऐसा जलयान अभिप्रेत है, जो नियम 6 के खंड (च) में निर्दिष्ट अनन्य रूप से उन उत्पादों से जो फलक पर मालों के प्रसंस्करण और/ या तैयार करने के लिए परिभाषित या प्रयुक्त है।

7. जो पूर्णतया उत्पादित या अभिप्राप्त न हो--

- (क) नियम 5 (ख) अर्थ में ऐसे उत्पाद जिनके निर्माण या उद्गम के परिणामस्वरूप सामग्री, पुर्जे या उत्पाद जिनका उद्गम संविदाकारी पक्षों से भिन्न देश हो या जो प्रयुक्त अनवधारित उद्गम के हों, कुल मूल्य उत्पादित या अभिप्राप्त उत्पाद के एफ.ओ.बी. मूल्य के 50 प्रतिशत से अधिक न हो और जिनके विनिर्माण की अंतिम प्रक्रिया निर्यातक संविदाकारी पक्षों के राज्यक्षेत्र के अन्तर्गत हो, नियम 7 और नियम 8 खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) के उपबंधों के अधीन रहते हुए अधिमानी व्यवहार के पात्र होंगे।

- (ख) गैर-उद्भव सामग्री तब पर्याप्त रूप से निर्माण की गई या प्रसंस्कृत समझी जाएगी जब अभिप्राप्त उत्पाद का वर्गीकरण समान वस्तु वर्णन और कोडिंग प्रणाली के चार अंक वाले स्तर पर शीर्ष में उससे भिन्न किया जाता है जिसमें उसके विनिर्माण में प्रयुक्त सभी गैर-उद्भव सामग्रियों का वर्गीकरण किया जाता है।
- (ग) यह अवधारण करने के क्रम में कि क्या कोई उत्पाद का उद्भव किसी संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में है यह आवश्यक नहीं होगा कि यह स्थापित करे कि ऐसे उत्पादों को अभिप्राप्त करने के लिए प्रयुक्त शक्ति और ईंधन, संयंत्र और उपस्कर और मशीनें तथा औजारों का उद्भव किसी तीसरे देश में हो या न हो।
- (घ) उद्भव उत्पादों की हैसियत प्रदान करने के लिए निम्नलिखित को किसी भी स्थिति में अपर्याप्त निर्माण या प्रसंस्करण समझा जाएगा, चाहे शीर्ष में कोई परिवर्तन हो या न हो ; अर्थात्
- (1) परिवहन और भंडारण के दौरान उत्पाद का अच्छी दशा में परिरक्षण सुनिश्चित करने की संक्रियाएँ (संवातन, फैलाना, शुष्कफ द्रुतशीतन, लवण में रखना, सल्फर डाइआक्साइड या अन्य जलीय साधन, क्षतिग्रस्त हिस्सों का हटाना और वैसे ही संक्रियाएँ)।
 - (2) सरल संक्रियाएँ जिनमें धूल का हटाना, स्थानांतरण या निरीक्षण, छँटाई, वर्गीकरण करना, मिलना (जसके अन्तर्गत वस्तुओं के सेट बनाना आता है), धोवन, रंग करना, कर्तन आती है।
 - (3) (i) परेषणों की पैकिंग में परिवर्तन और अलग करना और संयोजन,
(ii) सरल प्रखंडन, कर्तन और पुनः पैकिंग या बोतलों, फ्लास्कों, थैलों, बक्सों में रखना, कार्डों र बोर्डों पर चिपकाना आदि और सभी अन्य सरल पैकिंग संक्रियाएँ।
 - (4) उत्पादों या उनके पैकेजों पर चिह्न, लेबल या अन्य उसी प्रकार के विशिष्ट कार्य संकेत लगाना।
 - (5) उत्पादों को सादे रूप में मिलाना, चाहे भिन्न-भिन्न प्रकार के हों या न हों, जहां मिक्सचर के एक या अधिक घटक उन्हें उद्भव उत्पाद के रूप में माने जाने के लिए इन नियमों में अधिकथित शर्तें पूरी न होती हों।
 - (6) पूर्ण उत्पाद का गठन करने के लिए उत्पादों के पुर्जों का सरल संयोजन।
 - (7) (क) से (घ) में विनिर्दिष्ट दो या अधिक संक्रियाओं का समुच्चय।
 - (8) पशुओं का वध।

(ङ) गैर-उद्भूत सामग्रियों, पुर्जों या उत्पादों का मूल्य निम्नलिखित होगा —

(i) जहां यह साबित किया जा सकता है सामग्रियों, हिस्सों या उत्पाद के आयात के समग्र सी.आई.एफ. मूल्य ; या

(ii) जहां निर्माण या प्रसंस्करण किया जाता है वहां संविदाकारी पक्षों के राज्यक्षेत्र में अनवधारित उद्भव की सामग्रियों, हिस्सों या उत्पाद के लिए संदत्त सर्वप्रथम निर्धारणीय कीमत ।

8. उद्भव के सचित नियम— किसी उत्पाद के बारे में जो नियम (5) (ख) में उपबंधित उद्भव अपेक्षाओं को पूरा करता है और किसी संविदाकारी पक्ष द्वारा निर्यात किया जाता है और जिसमें अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में उद्भूत सामग्री, हिस्सों या उत्पादों का उपयोग किया है, निर्यातक संविदाकारी पक्ष के राज्य क्षेत्र में मूल्यवर्धन निर्यात के अधीन उत्पाद के एफ. ओ. बी. मूल्य के 30 प्रतिशत से कम नहीं होगा, यह इस शर्त के अधीन होगा कि संविदाकारी पक्षों के राज्य क्षेत्र में कुल मूल्यवर्धन निर्याताधीन उत्पाद के एफ. ओ. बी. मूल्य के 40 प्रतिशत से कम नहीं है ।

स्पष्टीकरण :--

नियम 8 में विवक्षित संचयन से यह अभिप्रेत है कि केवल उन उत्पादों को, जिन्हें एक संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में उद्गम की हैसियत अर्जित हो चुकी है, हिसाब में लिया जा सकेगा परंतु तब उनका किसी अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में अधिमानी व्यवहार के लिए पात्र तैयार उत्पाद के लिए निवेश के रूप में प्रयोग किया जाए ।

9. प्रत्यक्ष परेषण- निम्नलिखित को निर्यातकर्ता देश से आयातकर्ता देश को प्रत्यक्ष परेषण समझा जाएगा, अर्थात् :-

(क) यदि उत्पाद संविदाकारी पक्षों के देशों से भिन्न किसी अन्य देश के राज्यक्षेत्र से गुजरे बिना परिवहन किए जाते हैं;

(ख) ऐसे उत्पाद जिनके परिवहन में ऐसे देशों में अभिवहन या स्थायी भण्डार सहित या उसके बिना एक या एक से अधिक मध्यवर्ती देशों में से होकर स्थानांतरण अन्तर्वर्तित हो :

परन्तु यह तब जब--

(i) अभिवहन प्रविष्टि भौगोलिक कारणों से या परिवहन अपेक्षाओं से अनन्य रूप से संबंधित आधारों के कारण न्यायोचित हो;

(ii) उत्पादों का उपभोग या व्यापार वहां न हुआ हो; और

(iii) उत्पाद उतराई और पुनः लदाई से भिन्न किसी संक्रिया या उन्हें ठीक रखने के लिए अपेक्षित संक्रिया के अधीन न रहे हों ।

10. पैकिंग के प्रति व्यवहार--उत्पादों का उद्गम अवधारण करते समय पैकिंग को उस पूरे उत्पाद का एक भाग समझा जाएगा जो उसमें है, तथापि पैकिंग को पृथक समझा जाएगा यदि ऐसा राष्ट्रीय विधान के अधीन है ।

11. उद्गम प्रमाणपत्र--अधिमानि रियायतों के लिए पात्र उत्पाद के साथ निर्यातक देश की सरकार द्वारा अभिहित किसी प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया उपाबद्ध प्ररूप में उद्गम प्रमाण पत्र साथ लगा होगा और दोनों संविदाकारी राज्यों द्वारा विकसित और अनुमोदित प्रमाण प्रक्रिया के अनुसार उनकी दोनों संविदाकारी पक्षों को अधिसूचना भेजी जाएगी ।

12. प्रतिषेध--

कोई भी देश ऐसे उत्पादों के आयात का प्रतिषेध कर सकेगा जिसमें ऐसे राज्य से उद्भूत कोई निवेश अन्तर्विष्ट है जिसके साथ आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध न हों ।

13. संविदाकारी पक्षों के बीच सहयोग--

(क) संविदाकारी पक्ष उद्भव प्रमाणपत्र में निवेशों का उद्भव विनिर्दिष्ट करने के क्रम में उनका हर संभव सहयोग करेंगे ।

(ख) संविदाकारी पक्ष उद्भव के देश से संबंधित असत्य घोषणा के माध्यम से या मूल दस्तावेजों के मिथ्याकरण से इस करार की परिवंचना का प्रतिषेध करने के लिए, अन्वेषण करने और जहां समुचित हो विधिक और प्रशासनिक कार्रवाई करने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे ।

(ग) दोनों संविदाकारी पक्ष उनकी देशी विधियों और प्रक्रियाओं से संगत पूरा सहयोग करेंगे । करार के परिवंचन के मामले में परिवंचन से उद्भूत समस्याओं को देखेंगे, जिसके अंतर्गत मामला दर मामला आधार पर और अनुरोध पर दोनों संविदाकारी पक्षों के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त संयंत्र निरीक्षण और संपर्कों को सुकर बनाना है ।

(घ) यदि कोई पक्ष यह विश्वास करता है कि उद्भव के नियमों का परिवंचन किया जा रहा है तो वह परस्पर समाधान कारक हल निकालने की दृष्टि से संबंधित विषय या विषयों पर विचार-विमर्श करने का अनुरोध कर सकेगा । प्रत्येक पक्ष ऐसा विचार-विमर्श तत्परता से करेंगे ।

14. पुनर्विलोकन--

इन नियमों का पुनर्विलोकन जब कभी आवश्यक हो किसी भी संविदाकारी पक्ष के अनुरोध पर किया जा सकेगा और ऐसे उपान्तरणों के लिए खुला होगा जिन पर सहमति हो ।

उद्गम प्रमाण पत्र

<p>1. माल निम्नलिखित द्वारा प्रेषित किया गया (निर्यातकर्ता के कारोबार का नाम; पता, देश)</p>	<p>संदर्भ सं. भारत-अफगानिस्तान अधिमार्ग व्यापार करार (आईएपीटीए) (संयुक्त घोषणा और प्रमाण-पत्र)</p> <p>..... द्वारा जारी किया गया (देश)</p> <p>(पिछले पृष्ठ पर टिप्पणियाँ देखें)</p>
<p>2. माल निम्नलिखित को प्रेषित किया गया (प्रेषित का नाम, पता देश)</p>	
<p>3. परिवहन के साधन और मार्ग (जहाँ तक ज्ञात हों)</p> <p>5. टैरिफ मद संख्या 6. पैकेजों के चिह्न और नम्बर 7. पैकेजों की संख्या और प्रकार; माल का वर्णन</p> <p>11. निर्यातकर्ता द्वारा घोषणा अधोहस्ताक्षरी घोषणा करता है कि उपरोक्त ब्यौरा और कथन सही है: सभी माल का (देश) में उत्पादन किया गया था और वह आयातकर्ता देश को निर्यात किए गए माल के लिए आईएपीटीए में उसके लिए विनिर्दिष्ट उद्गम अपेक्षाओं को पूरा करता है।</p> <p>..... स्थान और तारीख, प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर</p>	<p>4. शासकीय प्रयोग के लिए</p> <p>8. उद्गम मानदंड (पिछले पृष्ठ पर टिप्पणियाँ देखें) 9. सकल भार या अन्य मात्रा 10. बीजक की संख्या और तारीख</p> <p>12. प्रमाण-पत्र: यह प्रमाणित किया जाता है कि किए गए नियंत्रण के आधार पर निर्यातकर्ता द्वारा की गई घोषणा सही है।</p> <p>..... स्थान और तारीख, प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर</p>

साधारण शर्तें

- I. अधिमानों के लिए अर्हित होने के लिए उत्पाद ;
- (क) इस करार के अधीन गन्तव्य देश में रियायतों के लिए पात्र उत्पादों के वर्णन के अंतर्गत आने चाहिए।
- (ख) आईएपीटीए उद्गम नियमों के अनुरूप होने चाहिए। पारेषण की जाने वाली प्रत्येक वस्तु को पृथक् रूप से साधिकार अर्हताओं को पूरा करना चाहिए; और
- (ग) आईएपीटीए उद्गम नियमों द्वारा विनिर्दिष्ट पारेषण शर्तों के अनुरूप होने चाहिए। साधारणतया उत्पादों का पारेषण निर्यातकर्ता देश से गन्तव्य देश को उसके नियम 9 के अर्थान्तर्गत प्रत्यक्ष रूप से प्रेषित किया जाना चाहिए।

II बॉक्स 8 में की जाने वाली प्रविष्टियाँ

अधिमानों उत्पाद आईएपीटीए उद्गम नियमों के नियम 6 के अनुसार निर्यातकर्ता संविदाकारी पक्षकार में पूर्णतया उत्पादित या अभिप्राप्त किए जाने चाहिए जहाँ वे निर्यातकर्ता संविदाकारी पक्षकार में पूर्णतया उत्पादित या अभिप्राप्त न हो, नियम 7 या नियम 8 के अधीन पात्र होने चाहिए।

पूर्णतया उत्पादित या अभिप्राप्त उत्पाद : बॉक्स 8 में 'क' अक्षर प्रविष्ट करें।

ऐसे उत्पाद जो पूर्ण रूप से उत्पादित या अभिप्राप्त न हों, बॉक्स 8 में प्रविष्टि निम्नानुसार होनी चाहिए;

उन उत्पादों के लिए जो नियम 7 के अनुसार उद्गम मानदंड को पूरा करते हों, बॉक्स 8 में "ख" अक्षर प्रविष्ट करें। अक्षर की प्रविष्टि के पश्चात् ऐसी सामग्री, पुर्जों या उत्पाद के जो असंविदाकारी पक्षकार से आया हो, मूल्य का उल्लेख किया जाएगा या प्रयुक्त अनवधारित उद्गम से प्राप्त किए गए उत्पादों के पोत-पर्यन्त मूल्य के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया गया हो; (उदाहरण "ख" () प्रतिशत)।

उन उत्पादों के लिए नियम 8 के अनुसार उद्गम मानदंड पूरा करते हों बॉक्स 8 में "ग" अक्षर प्रविष्ट करें। अक्षर "ग" की प्रविष्टि के बाद उसकुल माल की राशि का उल्लेख किया जाएगा जिनका उद्गम निर्यातकर्ता संविदाकारी पक्षकार के राज्यक्षेत्र में हुआ हो जिसे निर्यात किए गए आईएपीटीए के पोत-पर्यन्त मूल्य के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया गया हो (उदाहरण "ग" () प्रतिशत)।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th May, 2003

No. 33/2003-CUSTOMS (N.T.)

S.O. 542(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement:- (1) These rules may be called the Customs Tariff (Determination of Origin of Goods under the Preferential Trade Agreement between the Transitional Islamic State of Afghanistan and Republic of India) Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application:- These rules shall apply to goods consigned from the territory of either of the Contracting Parties.

3. Determination of Origin:- No product shall be deemed to be the produce or manufacture of either country unless the conditions specified in these rules are complied with in relation to such products, to the satisfaction of the appropriate Authority.

4. Declaration at the time of importation:- The importer of the product shall, at the time of importation-

- (a) make a claim that the products are the produce or manufacture of the country from which they are imported and such products are eligible for preferential treatment under the Agreement, and
- (b) produce the evidence specified in these rules.

Explanation:- For the purposes of this notification, "Preferential treatment" in relation to any product means the exemption granted under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.76/2003-Customs dated the 13th May, 2003 and includes preferential concessions.

5. Originating products:- Products covered by the Agreement imported into the territory of a Contracting Party from another Contracting Party which are consigned directly

within the meaning of rule 9 hereof, shall be eligible for preferential treatment if they conform to the origin requirement under any one of the following conditions:

- (a) Products wholly produced or obtained in the territory of the exporting Contracting Party as defined in rule 6; or
- (b) Products not wholly produced or obtained in the territory of the exporting Contracting Party, provided that the said products are eligible under rule 7 or rule 8 read with rule 7.

6. Wholly produced or obtained:-

Within the meaning of rule 5(a), the following shall be considered as wholly produced or obtained in the territory of the exporting Contracting Party, namely:-

- (a) raw or mineral products, including mineral fuels, lubricants and related materials as well as mineral or metal ores, extracted from its soil, its water or its seabed;
- (b) vegetable products, including agricultural and forestry products, harvested there;
- (c) animals born and raised there;
- (d) products obtained from animals referred to in clause (c) above;
- (e) products obtained by hunting or fishing conducted there;
- (f) products of sea fishing and other marine products from the high seas by its vessels;
- (g) products processed and/or made on board its factory ships exclusively from products referred to in clause (f) above;
- (h) used articles collected there, fit only for the recovery of raw materials;
- (i) waste and scrap resulting from manufacturing operations conducted there;
- (j) products extracted from the seabed or below seabed which is situated outside its territorial waters, provided that it has exclusive exploitation rights;
- (k) goods produced there exclusively from the products referred to in clauses (a) to (j) above.

Explanation I:-“Vessels” shall refer to fishing vessels engaged in commercial fishing, registered in the country of the Contracting Party and operated by a citizen or citizens of the Contracting Party or partnership, corporation or association, duly registered in such country, at least 60 per cent of equity of which is owned by a citizen or citizens and/or Government of such Contracting

Party or 75 per cent by citizens and/or Governments of the Contracting Parties. However, the products taken from vessels, engaged in commercial fishing under Bilateral Agreements which provide for chartering/leasing of such vessels and/or sharing of catch between Contracting Party will also be eligible or preferential treatment.

Explanation II:-In respect of vessels or factory ships operated by Government agencies, the requirements of flying the flag of the Contracting Party does not apply.

Explanation III:-For the purpose of this Agreement, the term "factory ship" means any vessel, as defined, used for processing and/or making on board products exclusively from those products referred to in clause (f) of Rule 6.

7. Not wholly produced or obtained:-

- (a) Within the meaning of rule 5(b), products worked on, or processed as a result of which the total value of the materials, parts or produce originating from countries other than the Contracting Parties or of undetermined origin used does not exceed 50% of the f.o.b. value of the products produced or obtained and the final process of manufacture is performed within the territory of the exporting Contracting Party shall be eligible for preferential treatment, subject to the provisions of clauses (b), (c), (d) and (e) of rule 7 and rule 8.
- (b) Non-originating materials shall be considered to be sufficiently worked or processed when the product obtained is classified in a heading, at the four digit level, of the Harmonised Commodity Description and Coding System different from those in which all the non-originating materials used in its manufacture are classified.
- (c) In order to determine whether a product originates in the territory of a Contracting Party, it shall not be necessary to establish whether the power and fuel, plant and equipment and machines and tools used to obtain such products originate in third countries or not.
- (d) The following shall in any event be considered as insufficient working or processing to confer the status of originating products, whether or not there is a change of heading, namely:-
 - 1) Operations to ensure the preservation of products in good condition during transport and storage (ventilation, spreading out, drying, chilling, placing in salt, sulphur dioxide or other aqueous solutions, removal of damaged parts, and like operations).
 - 2) Simple operations consisting of removal of dust, sifting or screening, sorting, classifying, matching (including the making-up of sets of articles), washing, painting, cutting up.

- 3) (i) changes of packing and breaking up and assembly of consignments;
(ii) simple slicing, cutting and repacking or placing in bottles, flasks, bags, boxes, fixing on cards or boards, etc., and all other simple packing operations.
 - 4) The affixing of marks, labels or other like distinguishing signs on products or their packaging.
 - 5) Simple mixing of products, whether or not of different kinds, where one or more components of the mixture do not meet the conditions laid down in these Rules to enable them to be considered as originating products.
 - 6) simple assembly of parts of products to constitute a complete product.
 - 7) a combination of two or more operations specified in (a) to (f).
 - 8) slaughter of animals.
- (e) The value of the non-originating materials, parts or produce shall be:
- (i) The c.i.f. value at the time of importation of the materials, parts or produce where this can be proven; or
 - (ii) The earliest ascertainable price paid for the materials, parts or produce of undetermined origin in the territory of the Contracting Parties where the working or processing takes place.

8. Cumulative rules of origin:-

In respect of a product, which complies with the origin requirements provided in rule 5(b) and is exported by any Contracting Party and which has used material, parts or products originating in the territory of the other Contracting Party, the value addition in the territory of the exporting Contracting Party shall be not less than 30 per cent of the f.o.b. value of the product under export subject to the condition that the aggregate value addition in the territories of the Contracting Parties is not less than 40 per cent of the f.o.b. value of the product under export.

Explanation:-Cumulation as implied by Rule 8 means that only products which have acquired originating status in the territory of one Contracting party may be taken into account when used as inputs for finished product eligible for preferential treatment in the territory of the other Contracting Party.

9. Direct consignment:-

The following shall be considered to be directly consigned from the exporting country to the importing country, namely:-

- (a) if the products are transported without passing through the territory of any country other than the countries of the Contracting Parties.
- (b) the products whose transport involves transit through one or more intermediate countries with or without transshipment or temporary storage in such countries:

Provided that

- (i) the transit entry is justified for geographical reason or by considerations related exclusively to transport requirements;
- (ii) the products have not entered into trade or consumption there; and
- (iii) the products have not undergone any operation there other than unloading and reloading or any operation required to keep them in good condition.

10. Treatment of packing:-

When determining the origin of products, packing should be considered as forming a whole with the product it contains. However, packing may be treated separately if the national legislation so requires.

11. Certificate of origin:-

Products eligible for a Certificate of origin in the form annexed shall support preferential treatment issued by an authority designated by the Government of the exporting country and notified to the other country in accordance with the certification procedures to be devised and approved by both the Contracting Parties.

12. Prohibitions:-

Either country may prohibit importation of products containing any inputs originating from States with which it does not have economic and commercial relations.

13. Co-operation between contracting parties:-

- (a) The Contracting Parties will do their best to co-operate in order to specify origin of inputs in the Certificate of origin.
- (b) The Contracting Parties will take measures necessary to address, to investigate and, where appropriate, to take legal and/or administrative action to prevent circumvention of this Agreement through false declaration concerning country of origin or falsification of original documents.
- (c) Both the Contracting Parties will co-operate fully, consistent with their domestic laws and procedures, in instances of circumvention or alleged circumvention of the Agreement to address problems arising from circumvention including facilitation of joint plant visits and contacts by representatives of both Contracting Parties upon request and on a case – by – case basis.
- (d) If either Party believes that the rules of origin are being circumvented, it may request consultation to address the matter or matters concerned with a view to seeking a mutually satisfactory solution. Each party will hold such consultations promptly.

14. Review:-

These rules may be reviewed as and when necessary upon request of either Contracting Party and may be open to such modifications as may be agreed upon.

CERTIFICATE OF ORIGIN

1. Goods consigned from (Exporters Business Name, Address, Country)			Reference No. INDIA - AFGHANISTAN PREFERENTIAL TRADING ARRANGEMENT (IAPTA) (Combined declaration and certificate) Issued in (Country) (See notes overleaf)		
2. Goods consigned to (Consignee's Name, Address, Country)			4. For Official use		
3. Means of transport and route (as far as known)					
5. Tariff item number	6. Marks and numbers of packages	7. Number and kind of packages description of goods	8. Origin criterion (see Notes overleaf)	9. Gross weight or other quantity	10. Number and date of invoice
11. Declaration by the Exporter The undersigned hereby declares that the above details and statements are correct; That all the goods were produced in (Country) and that they comply with the origin requirements specified for those goods in IAPTA for goods exported to (Importing Country) Place and date, signature of the authorised signatory			12. Certificate: It is hereby certified, on the basis of control carried out that the declaration by the exporter is correct. Place and date, signature of the authorised signatory		

To qualify for preference, products must:

- fall within a description of products eligible for concessions in the country of destination under this agreement.
- comply with IAPTA Rules of Origin. Each Article in a consignment must qualify separately in its own right; and
- comply with the consignment conditions specified by the IAPTA Rules of Origin. In general products must be consigned directly within the meaning of Rule 9 hereof from the country of exportation to the country of destination.

II. Entries to be made in Box 8

Preference products must be wholly produced or obtained in the exporting Contracting Party in accordance with Rule 6 of the IAPTA Rule of Origin, or where not wholly produced or obtained in the exporting Contracting Party must be eligible under Rule 7 or Rule 8.

Products wholly produced or obtained enter the letter 'A' in box 8.

Products not wholly produced or obtained, the entry in box 8 should be as follows:

Enter letter 'B' in box 8 for products, which meet the origin criterion according to Rule 7. Entry of letter would be followed by the sum of the value of materials, parts or produce originating from non-contracting parties or undetermined origin used, expressed as a percentage of the f.o.b. value of the products: (example 'B' () percent).

Enter letter 'C' in box 8 for products, which meet the origin criteria according to Rule 8. Entry of letter 'C' would be followed by the sum of the aggregate content originating in the territory of the exporting Contracting Party expressed as a percentage of the f.o.b. value of the exported product (example 'C' () per cent).

[F. No. 467/13/2003-Cus.-V]

N.J. KUMARESH, Under Secy.